

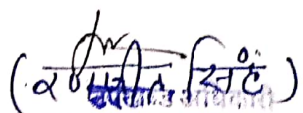
तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज
15/11/18	पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप./ अनुपस्थित/ निरीक्षण अधिकारी दौरे पर/ कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक-17/11/18-को पेश हो।
17/11/18	पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप./ अनुपस्थित/ निरीक्षण अधिकारी दौरे पर/ कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक-10/11/18-को पेश हो।
10/11/18	पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप./ अनुपस्थित/ निरीक्षण अधिकारी दौरे पर/ कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक-7/11/18-को पेश हो।
7/11/18	पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप./ अनुपस्थित/ निरीक्षण अधिकारी दौरे पर/ कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक-25/9/18-को पेश हो।
25/9/18	पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप./ अनुपस्थित/ निरीक्षण अधिकारी दौरे पर/ कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक-20/11/18-को पेश हो।
20/11/18	पत्रावली वास्ते बंद पेश हुई। बंद गन्धपत्रावली प्रविष्टतागण की खुली जायी। दोषाने बंद इकीर वादी न कथन किम कि भूमि खण्ड 2448 रम्बा 1.05 हेक्टर तब ग्राम भावत तहसील खण्डों का वादी खातेदार काकिन मखतब है। प्रतिवादीगण का कोई सम्बन्ध या स्तरोमात नहीं है। प्रतिवादीगण न एक गानायज गिरोह का रम्बा है जो वादी की भूमि पर खण्ड कब्जा करने व भूमि से वादी से वादी को बंदखण्ड बंद व खण्डों का खीक नीचे बंद

करने पर उतास है अतः इनको स्थायी निवेश  
से पाबन्द करवाया जावे।

वकील प्रतिवादीगण ने जबब नहीं  
दिया जाय रीफे ही बदा हेतु निवेदन  
किया। दोरामे कदम बंधन किया कि प्रतिवादी  
गण द्वारा वाकी की रीफे डोल गलत नहीं  
की गई है ना ही कदम कदम में मजामत  
की जा रही है। वाकी ने केवम माऊ हरेण  
परेडान करने की निमत से वाद पर  
पेअ किया है जो खारीज मजे है।

हमने ठहर वकुलाप सुनी। प्रतिवादीगण

द्वारा जबब आदिमाक तक पेश की किम।  
प्रतिवादीगण को स्थायी निपेधाशा से पाबन्द  
किया जाना उचित प्रतीत होमे है अतः आदेश  
दिया जाता है कि वाद शरत अमि ख० न० 2483  
रकबा 1.05 है तन ग्राम कांर पञ्जाए हला  
कांर तदमीम खण्डेल निमा लीक वापस्यान में  
प्रतिवादीगण वाकी की खातेसी अमि नै एतरेप  
की करे कि पकावली पंजमल शुमार होमे  
कमर ले कम ही वाड तकमीम दाखिल  
कराए हो।

()  
रमेश सिंह  
अधिवक्ता (R/S)